बुधवार

22 जनवरी 2025

- देहरादून
- वर्ष 32
- अंक 337
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

32 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

एक नजर

डीएम का ड्रीम प्रोजेक्टः शहर में तेजी से बढ़ रहे हैं, ईवी चार्जिंग स्टेशन

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल का ड्रीम प्रोजेक्ट ईवी चार्जिंग स्टेशन पर्यावरण सरंक्षण एवं जनसुविधा को लेकर राजधानी में अपने पांव तेजी से पसार रहा है। अब शहर में सात ईवी चार्जिग स्टेशन का जनमानस को लाभ मिलेगा।

आज यहां जिलाधिकारी सविन बसंल का ड्रीम प्रोजेक्ट ईवी चार्जिंग स्टेशन पर्यावरण सरंक्षण एवं जनसुविधा को लेकर राजधानी में अपने पांव तेजी से पसार रहा हैं, परिवहन की दृष्टि से महत्वाकांशी ईवी चार्जिंग स्टेशन उपलब्धता के चलते जनमानस का पसंद इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल की तरफ तेजी से बढ़ रहा हैं। डीएम के ईवी चार्जिंग स्टेशन प्राजेक्ट को जहां दून वासियों द्वारा सराहा जा रहा है, वहीं बाहर से यहां घूमने आने वाले पर्यटकों को अपने इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग के लिए पर्याप्त सुविधा मिल रही है, इसी का नतीजा है कि एनएच पर 04 नए ईवी चार्जिंग हेतु एनओसी मांगी गई थी। तथा 03 नए प्रोजेक्ट की डीएम ने मौके पर ही एनओसी देते हुए नगर निगम के अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। जिसके क्रम में 6 स्टेशन बनकर तैयार हो गए हैं। जबकि एक पर निर्माण कार्य प्रगति पर हैं।जिलाधिकारी ने उक्त सभी स्टेशनों पर सौंदर्यकरण का कार्य एवं फास्ट चार्जिंग उपकरण से संजोने के दिशा निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी के प्रयास से प्रथमबार ईवी चार्जिंग प्राजेक्ट लाया गया है पर्यावरण सरंक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विगत दिनों जिलाधिकारी ने 3 नए ईवी चार्जिंग स्टेशन की मौके पर स्वीकृति प्रदान करते हुए 31 जनवरी तक चार्जिंग स्टेशन सक्रिय करने के निर्देश दिए। जिसके क्रम में तीनों स्टेशन बनकर तैयार हो रहे हैं।

❑शहर में अब 7 ईवी चार्जिंग स्टेशन का जनमानस को मिलेगा लाभ

मतदान कल, तैयारियां पूर्ण

❑जनता करेगी 5405 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

विशेष संवाददाता

देहरादून। निकाय चुनाव के लिए कल 23 जनवरी को होने वाले मतदान की सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी है कल सुबह 8 बजे से मतदान शुरू होगा जो शाम 5 बजे तक जारी रहेगा। पुलिस प्रशासन द्वारा इसके लिए कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। सुरक्षा के मद्देनजर भारत-नेपाल बॉर्डर को कल मतदान के समय से लेकर मतगणना तक 48 घंटो के लिए सील कर दिया गया है।

उत्तराखंड के 11 निगमों सहित कुल 100 निकायों के लिए होने वाले इन चुनावों में भाजपा और कांग्रेस द्वारा अपनी पूरी ताकत झोंकी गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से लेकर भाजपा ने इस बार निकाय चुनाव में अपने सांसदों और पूर्व मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री और विधायकों तक सभी की क्षेत्रवार जिम्मेदारी तय की गई थी। लोकसभा और विधानसभा की तरह से निकाय चुनाव के लिए पहली बार अपने-अपने चुनावी घोषणा पत्र भी जारी किए गए।

दरअसल भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों के नेताओं द्वारा निकाय चुनाव को आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर बहुत ही गंभीरता से लिया गया है। इस चुनाव में दोनों ही दलों ने अपने प्रत्याशियों के चयन से लेकर चुनाव प्रचार तक पूरी सतर्कता बरती है। चुनाव में 11 महापौर सहित कुल 5405 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है जिनके भाग्य का फैसला कल राज्य के 30 लाख 29 हजार मतदाताओं द्वारा किया जाएगा। मतदान के लिए कुल 1,504 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मतदान में किसी भी तरह की गड़बड़ी और धांधली को रोकने के लिए अति संवेदनशील और संवेदनशील मतदान केंद्रो को चिन्हित कर अतिरिक्त पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है। पुलिस महानिदेशक द्वारा सभी पुलिस अधिकारियों को अराजक तत्वों से सख्ती से निपटने के आदेश दिए गए हैं। सुरक्षा के लिए 10 हजार से अधिक पुलिस कर्मी और 10 कंपनी अतिरिक्त सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। कल होने वाले इस चुनाव में किसे कितनी सफलता मिलेगी यह तो 25 जनवरी को ही पता चल सकेगा। फिलहाल पोलिंग पार्टियों अपने गंतव्य तक पहुंच गई है और कल मतदान होगा जिसकी सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, भारत-नेपाल बॉर्डर सील

दून वैली मेल

संपादकीय

उत्पीड़न का शिकार किसान

रुड़की के झबरेड़ा थाना क्षेत्र से आई इस खबर पर भले ही शासन-प्रशासन में बैठे किसी नेता या अधिकारी की नजर जाए या न जाए अथवा उनके द्वारा भले ही इसे नजर अंदाज कर दिया जाए लेकिन देश के अन्नदाताओं से जुड़ी इस खबर से यह जरूर साफ होता है कि देश के किसानों के हालात आसानी से बदलने वाले नहीं है। झबरेड़ा थाना क्षेत्र के गांव सुमाड़ी के एक युवा किसान सुनील दत्त ने अपनी जीवन लीला जहर खाकर इसलिए समाप्त कर ली क्योंकि वह बैंक से लिए गए ऋण को नहीं चुका पा रहा था और बैंक के प्रबंधक और दो अन्य कर्मचारियों द्वारा इसे लेकर सुनील और उसके परिजनों का लगातार उत्पीड़न किया जा रहा था। सुनील की अस्पताल में हुई मौत के बाद भले ही अब पुलिस ने आरोपी बैंक कर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया हो लेकिन अब सुनील को न तो दोबारा जिंदगी मिल सकती है और न उसके परिवार की जो मानहानि हुई है उसकी कोई भरपाई की जा सकती है। यह अत्यंत ही दुखद विषय है कि सरकारों द्वारा किसानों को दी जाने वाली सुविधाओं का ढिंढोरा तो पीटा जाता है लेकिन उनको दी जाने वाली यह सुविधा उनके लिए राहत कम आफत का सबब अधिक बन जाती है। देश में हर 24 घंटे में दो किसानों द्वारा अपनी आर्थिक तंगियों के कारण आत्महत्या कर ली जाती है। देश की सरकार द्वारा एक तरफ आजादी के अमृत काल का ढोल पीटा जा रहा है तथा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने तथा विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बनाने की बात कही जा रही है वहीं देश के अन्नदाताओं की आर्थिक बदहाली उन्हें रोज आत्महत्या करने पर विवश कर रही हैं। सत्ता में बैठे लोगों द्वारा बड़े उद्योगपतियों का 14 लाख करोड़ का कर्ज माफ कर दिया जाता है वही नीरव मोदी और विजय माल्या जैसे अनेक लोग देश के बैंकों से लाखों करोड़ का कर्ज लेकर विदेश भाग जाते हैं और सरकार उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाती है। दूसरी तरफ अगर एक किसान लाख 2 लाख का ऋण भी बैंक से लेता है तो उसे इस हद तक उत्पीड़न किया जाता है कि वह अपनी जान देकर ही इस कर्ज से मुक्ति का उपाय ढूंढने पर विवश हो जाता है। जब देश आजाद हुआ था तब देश के सामने सबसे बड़ी समस्या थी अन्न का इतना कम उत्पादन की वह आज की तुलना में एक चौथाई आबादी का भी भरण पोषण नहीं कर पा रहा था तब पंडित नेहरू ने 'जय जवान और जय किसान, के नारे को देश की प्रगति का आधार बनाया था। नतीजतन एक हरित क्रांति से ही देश खाद्यान्न में आत्मनिर्भर हो गया। आज देश के प्रधानमंत्री उन्ही किसानों की मेहनत के दम पर 81 करोड़ लोगों को मुफ्त का राशन बांट रहे हैं लेकिन उन्हें फसल बीमा और किसान सम्मान निधि के नाम पर धोखा और 500 रूपये महीना दिया जा रहा है। किसान एमएसपी गारंटी कानून को लेकर सालों से सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं तथा अब तक 750 से अधिक किसानों की जान जा चुकी है लेकिन उन्हें उनका वह अधिकार भी नहीं मिल पा रहा है जिसके वह हकदार है। उनके उत्पीड़न के तमाम तरीके तो तलाश लिए गए हैं लेकिन उन्हें सरकार से कोई राहत देने को तैयार नहीं है। देश के किसानों को समाप्त करने पर तुली सरकार किसान और कृषि विहीन देश को कहां ले जा सकेगा यह सत्ता में बैठे लोगों के लिए एक सोचनीय सवाल है।

38वां राष्ट्रीय खेलः स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करेंगी 141 टीमें

❑जरूरत पड़ने पर एंबुलेंस से लेकर हेली एंबुलेंस तक की व्यवस्था

संवाददाता

देहरादून। 38 वें राष्ट्रीय खेल के दौरान खिलाड़ियों और मेहमानों को स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए 141 टीमों का गठन किया गया है। जरूरत पडने पर एंबुलेंस से लेकर हेली एंबुलेंस तक की व्यवस्था की जायेगी।

आज यहां 38 वें राष्ट्रीय खेल के दौरान खिलाड़ियों और मेहमानों को स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए 141 टीमों का गठन किया गया है। 28 जनवरी से लेकर 14 फरवरी तक यह टीमें अलर्ट मोड में रहेंगी। इस दौरान जरूरत पड़ने पर एंबुलेंस से लेकर हेली एंबुलेंस तक की सुविधा तुरंत उपलब्ध कराई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने बडेघ स्तर पर राष्ट्रीय खेलों की तैयारियां की हैं।

स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार के अनुसार-राज्य स्तर पर राज्य नोडल अधिकारी, उप नोडल अधिकारी व सह नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं। जनपद स्तर पर जिला नोडल अधिकारी मुख्य चिकित्साधिकारी और सह नोडल अधिकारी अपर मुख्य चिकित्साधिकारी बनाए गए हैं। एंबुलेंस हेतु जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि महाराणा प्रताप स्टेडियम, रायपुर, देहरादून के धनवन्तरी ब्लॉक में 10 बैडेड अस्पताल खिलाड़ियों हेतु संचालित किया जाएगा। इसी तरह, आईजीआईसीएस स्टेडियम, गोला पार हल्द्वानी में दो बैडेट अस्पताल संचालित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों के लिए पर्याप्त मात्रा में औषधियां, उपकरण क्रय किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार

के अनुसार-डॉ. तरूण टम्टा, प्रमुख अधीक्षक, जिला चिकित्सालय, नैनीताल को कुमाऊं मंडल का नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

डॉ. टम्टा ने स्पोर्ट्स मेडिसन में शिक्षा प्राप्त की है। निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, गढ़वाल मंडल पौड़ी गढ़वाल के स्तर पर डॉ केएस नेगी को गढ़वाल मंडल का नोडल अधिकारी नामित किया गया है। नोडल अफसरों को स्थलीय निरीक्षण करने के लिए कहा गया है। प्राइमरी हैल्थ केयर, सेकेंड्री हैल्थ केयर व टर्रसियरी हैल्थ केयर के नोडल अधिकारी और सह नोडल अधिकारी बनाए गए हैं। सेकेंड्री हैल्थ केयर, जो जिला चिकित्सालय है, उनमें चिकित्सा विशेषज्ञ जैसे-न्यूरो, कार्डिक, हैड इंजरी एवं स्पाइन इंजरी को उक्त अवधियों में ऑन-कॉल रखे गए हैं। प्रत्येक जिला चिकित्सालय में 03 ऑन कॉल एंबुलेंस मय आवश्यक औषधि सहित तैनात है। खेल स्पर्धा में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के रहने के स्थान के निकटतम चिकित्सा ईकाईयों में ऑन-कॉल टीमें तैनात की गई हैं। प्रत्येक जनपद में सूचीबद्ध चिकित्सालयों की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक खेल व शिफ्ट में एक टीम बनाई गई है, जिसमें डॉक्टर-01, नर्सिंग स्टाफ-02, फिजियोथेरेपिस्ट-02(महिला/पुरुष) व वार्ड ब्वाय-01 को टीम में रखा गया है और 01 टीम को स्टैंड बाय रखा गया है। सभी खेल स्थलों में 01-एएलएस एंड 01-बीएलएस एंबुलेंस की तैनाती चिकित्सकीय दल के साथ की गई है। 01 बीएलएस एंबुलेंस को स्टैंड बाय रखा गया है। प्रत्येक जिला चिकित्सालय में 03 ऑन-कॉल एंबुलेंस मय आवश्यक औषधि सहित तैनात है। खेल स्पर्धा में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के रहने के स्थान के निकटतम चिकित्सा इकाईयों में ऑन-कॉल टीमें तैनात की गई है। 150 डॉक्टर, 300 नर्सिंग स्टॉफ, 25 फिजियोथेरेपिस्ट, 30 फार्मासिस्ट व 50 वार्ड ब्वाय तैनात किए गए हैं। 115 एंबुलेंस राष्ट्रीय खेलों के दौरान तैनात रहेंगी। ये एंबुलेंस विभागीय और 108 सेवा की हैं। 05 बैड एम्स ऋषिकेश के ट्रामा विभाग में दिनांक 28 जनवरी 2025 से दिनांक 14 फरवरी 2025 तक) रिजर्व रहेंगे। आवश्यकता पड़ने पर एयरलिफ्ट की सुविधा हेली एंबुलेंस के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। 50 चिकित्साधिकारियों को एम्स ऋषिकेश में कैपिसिटी बिल्डिंग हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। यह चिकित्साधिकारी समस्त जनपद के हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राष्ट्रीय खेल हमारे राज्य के लिए गौरव का क्षण है। खिलाड़ियों और मेहमानों को उच्चतम स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना हमारी प्राथमिकता है। हर छोटी-बड़ी जरूरत का ध्यान रखा गया है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। श्री राम दरबार माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव देहरादून में आज मर्यादा पुरूषोतम भगवान श्री राम लला के अयोध्या धाम में स्थापित मंदिर की वर्षगांठ को आज हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। श्री राम दरबार में स्थापित मूर्तियों को प्रयागराज महाकुंभ से लाए गए पवित्र अमृत जल से स्नान कराया गया। नए वस्त्र आभूषण धारण करवाकर विशेष पूजा अर्चना के साथ आरती की गई और भगवान श्री राम के प्रिय बेरों और अयोध्या धाम से लाए गए प्रसाद का भोग लगाया गया। मंदिर के संस्थापक आचार्य डा0 बिपिन जोशी ने कहा हमने जहां तिथि के हिसाब से भी प्रथम वर्षगांठ मनाई और आज तारीख के अनुसार भी वर्षगांठ मना रहे हैं उन्होंने सभी सनातन धर्म के अनुयायियों का आह्वान किया हमे तो रोज ही उत्सव मनाना चाहिए मंदिर यों ही नहीं मिला है 500 सालों का संघर्ष, हजारों धर्म रक्षकों की कुर्बानी और उच्चतम न्यायालय ने सैकड़ों साक्ष्यों के आधार पर मंदिर के पक्ष में फैसला दिया तब यह शुभ दिन आया है, भक्तों ने भजनों में नृत्य भी किया, भक्तों को रामनामी पटके पहनाए गए और प्रयागराज महाकुंभ के अमृत जल का छिड़काव किया गया और अयोध्या धाम से लाया गया प्रसाद वितरित किया गया, इस अवसर पर आचार्य डा0 बिपिन जोशी, वैभव जोशी,पंडित गणेश बिजलवान, पंडित अरविंद बडोनी, हर्षपति रयाल, ऋषिपाल आदि का विशेष सहयोग रहा।

नगर निकाय चुनावः जिलाधिकारी व एसएसपी ने पुलिस बल को दिये जरूरी दिशा निर्देश

संवाददाता

टिहरी। नगर निगाय चुनाव को सकुशल सम्पनन कराने के लिए एसएसपी आयुष अग्रवाल व जिलाधिकारी

आज यहां नगर निकाय चुनाव सकुशल सम्पन्न कराने हेतु आयुष अग्रवाल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जिलाधिकारी की उपस्थिति में निर्वाचन ड्यूटी में लगे समस्त पुलिस बल की ब्रीफिंग लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिये हैं कि निर्वाचन ड्यूटी में लगे सभी पुलिस कर्मी अपनी पोलिंग पार्टी के साथ ही रवाना होंगे, और मतदान केंद्र को किसी भी परिस्थिति में नहीं छोड़ेंगे वहीं पर उनके भोजन आदि की व्यवस्था की गई है।मतदान पेटियां स्ट्रांग रूम में जमा होने के उपरांत ही ड्यूटी समाप्त समझी जाएगी, उससे पूर्व सभी ड्यूटी में नियोजित माने जाएंगे।

पुलिस का कार्य मतदान पेटियों की सुरक्षा करना है, वे मतदान पेटी को लाने अथवा ले जाने का कार्य नहीं करेंगे। इसके साथ ही इस बात का ध्यान रखेंगे

कि मतदान केंद पर कोई मोबाइल का प्रयोग नहीं करेंगे। मतदाताओं को भी मोबाइल नहीं ले जाने देंगे तथा इस बात को सुनिश्चित करेंगे कि मतदान केंद्रों के 200 मीटर की परिधि में कोई भी राजनीतिक गतिविधि, पोलिंग ;बस्ता आदि नहीं लगेगा। बिना पीठासीन अधिकारी के अनुमति के कोई भी पुलिस कर्मी कक्ष में प्रवेश नहीं करेगा तथा सेक्टर पुलिस अधिकारी अपने सेक्टर मजिस्ट्रेट से व जोनल पुलिस अधिकारी अपने जोनल मजिस्ट्रेट के संपर्क में रहेंगे। सभी कर्मी नशे आदि के से सेवन से दूर रहेंगे और उच्च कोटि को आचरण रखेंगे, कोई भी छोटी से छोटी घटना की जानकारी अपने सीनियर अधिकारी को देंगे।

जिलाधिकारी ने भी पुलिस बल को संबोधित करते हुए कहा कि ड्यूटी पर तैनात होम गार्ड एवं चेतक के जवान निर्वाचन ड्यूटी को कतई हल्के में न ले, यह एक महत्वपूर्ण ड्यूटी है। महिला मतदाताओं से भी निवेदन करे कि वे मोबाइल साथ में न लाए जहां पर महिला पुलिस कर्मी ड्यूटी पर हो वह उनकी चेकिंग करेंगे। सुरक्षा कर्मी हरपल बैलेट बॉक्स पर निगाहे बना के रखेंगे। और उनको जमा करने के उपरांत ही सेक्टर मजिस्ट्रेट की अनुमति से ड्यूटी से निवृत होंगे। दोनों अधिकारियों ने पुलिस बल को शुभकामनाएं देकर ड्यूटी हेतु रवाना किया।

इस तरह से करें सब्जियों की सफाई

इन दिनों में सब्जियों का इस्तेमाल जरा संभलकर करने की जरूरत हैं क्योंकि सब्जियों में कीड़े लगने का डर बना रहता हैं जिनका सेवन आपकी सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकता हैं। इसी के साथ ही सब्जियों पर लगे कीटनाशक भी सेहत को नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं जिन्हें हटाना भी बहुत जरूरी हैं। आज इस कड़ी में हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह सब्जियों की सफाई की जाए ताकि कीड़ों के साथ ही कीटनाशक से भी छुटकारा मिल सकें। तो आइये जानते हैं इन उपायों के बारे में।

ब्रोकली सेहत के लिए फायदेमंद होती है। लेकिन उसमें मौजूद कीड़ो के कारण कोई भी उसका सेवन नहीं करता। इसका सेवन करने से पहले इसको साफ करना भी जरुरी है। इसमें से कीड़े निकालने के लिए आप इसके पिछले हिस्से को पहले काट लें और ब्रोकली के सारे फूलों को अलग कर दें। फिर गर्म पानी करके इसमें थोड़ा सा नमक मिलाएं और ब्रोकली को 30 मिनट के लिए रख दें। फिर साफ पानी में से निकाल कर आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

सबसे पहले गोभी को 4-5 हिस्सों में काट लें। किसी बड़े साइज में काटें ताकि यह पानी में न घूले। फिर किसी बर्तन में पानी डालकर गर्म करें और उसमें 3 चम्मच हल्दी मिला लें। पानी में गोभी को 15-20 मिनट के लिए डिप करके रख दें। उसके बाद साफ पानी से निकाल कर आप इसका खाना बनाने में इस्तेमाल कर सकती हैं।

पत्ता गोभी का रंग हरा होता है। जिसकी वजह से इसमें कीड़े दिखाई नहीं देते। बहुत से लोग इसे मानसून में खाने से बचते हैं। इसमें कीड़े निकालने में समय लगता है। इससे कीड़े निकालने के लिए पत्तागोभी के ऊपर की दो लेयर निकालकर फेंक दें । बाकी लेयरस के निकाल कर अलग-अलग रख दें। किसी बर्तन में गुनगुना पानी डालकर उसमें 1 चम्मच हल्दी मिक्स करें। उसमें पत्तागोभी के सारे पत्ते डालकर 15-20 मिनट के लिए भिगो कर रख दें। फिर गोभी को बाहर निकालकर साफ पानी में निकाल दें।

बरसाती मौसम में बहुत से लोग पालक की सब्जी का सेवन नहीं करते। कीड़े लगने के कारण बहुत से लोग इससे परहेज हैं। इस मौसम में पालक के पत्तों में छेद होता है। जिस वजह से भी इसका इस्तेमाल करने से सभी डरते हैं। पालक से कीड़े निकालने के लिए आप गर्म पानी करके उसमें थोड़ा सा नमक मिला दें और पालक को पानी में डालकर 15-20 मिनट के लिए रख दें। थोड़ी देर के बाद साफ पानी में से पानी निकालकर आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

10 प्रतिशत सफेद सिरके और 90 प्रतिशत पानी के घोल में अपनी सभी सब्जियों और फलों को भिगो दें। इस घोल को अच्छी तरह से हिलाएं और सब्जियों को अच्छी तरह से रगड़ें। फलों में जामुन को धोते समय सावधान रहें क्योंकि इसका छिलका पतला होता है, जिसके कारण इसकी बाहरी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है।

आजमाएं ये 3 तरीके, चमक उठेगा आपके घर का फर्श

आजकल अधिकतर घरों के फर्श पर टाइल्स लगी होती हैं। टाइल्स लगाने के कई फायदे होते हैं। टाइल्स लगाने से फर्श मजबूत होता है और काफी आकर्षक दिखता है। इसके साथ ही टाइल्स का फर्श एक अच्छा इन्सुलेटर और फायर प्रूफ होता है। टाइल्स घर की खूबसूरती बढ़ाती हैं। हालांकि, गंदगी आसानी से टाइल्स में फंस जाती है, टाइल्स में गंदगी आसानी से फंसने की वजह होती है। जैसे कि टाइल्स की सतह की बनावट और डिजाइन।

दरअसल, टाइल्स की बनावट की वजह से इसपर पर निशान भी आसानी से पड़ जाते हैं। जिससे इसे निकालना मुश्किल हो जाता है। इससे टाइल्स की खूबसूरती खराब हो जाती है और नई टाइल्स पुरानी लगने लगती हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि टाइलों के बीच जमी गंदगी को कुछ आसान तरीकों से हटाया जा सकता है। इस खबर में कुछ टिप्स दिए गए हैं, जिसे आजमाने से टाइल्स गंदगी दूर होज जाएगी और टाइल्स पहले की तरह को चमकदार हो जाएगा।

टाइल्स पॉलिश करने के टिप्स

सिरका और पानी- टाइल्स को साफ करने के लिए सबसे पहले गर्म पानी लें और फिर उसमें सिरका मिलाकर मिश्रण बना लें। फिर इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में डालें और टाइल्स के बीच जहां गंदगी जमा हो गई है वहां थोड़ा सा स्प्रे करें। 5 मिनट बाद ब्रश से गंदगी साफ कर लें। इस तरह गंदगी साफ हो जाएगी।

नींबू का रस- नींबू हर घर में उपलब्ध होता है। नींबू सिर्फ नींबू पानी बनाने के लिए ही नहीं बल्कि फर्श चमकाने के लिए भी उपयोगी है। इसलिए पानी में नींबू का रस मिलाएं और टाइल्स के बीच जहां गंदगी हो वहां स्प्रे करें। इसके बाद फर्श को स्क्रबर से साफ करें। इस तरह गंदगी दूर हो जाएगी।

बेकिंग सोडा- बेकिंग सोडा टाइल्स के बीच की गंदगी हटाने में कारगर है। तो एक कटोरी में बेकिंग सोडा लें और फिर इसमें थोड़ा सा पानी डालकर पेस्ट बना लें। फिर इस पेस्ट को गंदे स्थान पर लगाएं और 15 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद फर्श को स्क्रब से साफ कर लें। इस तरह आपके घर के फर्श चमक उठेंगे।

दोमुहें बालों की समस्या को ठीक कर सकता है एबिसिनियन तेल, जानिए इसके इस्तेमाल

बालों की देखभाल में एबिसिनियन तेल का इस्तेमाल एक असरदार तरीका है। यह खासतौर पर महिलाओं के लिए फायदेमंद है, जो बालों की समस्याओं से जूझ रही हैं।

दोमुंहे बालों की समस्या आमतौर पर नमी की कमी से होती है। एबिसिनियन तेल में मौजूद प्राकृतिक तत्व बालों को पोषण देते हैं और उन्हें मजबूत बनाते हैं।

इस लेख में हम जानेंगे कि इस तेल का सही तरीके से इस्तेमाल कैसे करें ताकि आपके बाल स्वस्थ और चमकदार बने रहें।

नियमित रूप से मालिश करें

एबिसिनियन तेल का नियमित रूप से मालिश करना आपके बालों के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है।

हफ्ते में दो बार इस तेल को हल्का गर्म करके अपनी उंगलियों की मदद से स्कैल्प पर लगाएं और धीरे-धीरे मालिश करें।

इससे रक्त संचार बढ़ता है, जिससे बालों की जड़ें मजबूत होती हैं और दोमुंहें बाल कम होते हैं। ध्यान रखें कि मालिश करते समय ज्यादा जोर न दें क्योंकि इससे बाल टूट सकते हैं।

शैंपू करने से पहले लगाएं

शैंपू करने से पहले एबिसिनियन तेल का इस्तेमाल करना भी एक अच्छा तरीका है।

शैंपू करने से आधे घंटे पहले इस तेल को अपने पूरे सिर पर लगाएं और फिर हल्के हाथों से मसाज करें। इसके बाद शावर कैप पहन लें ताकि गर्मी बनी रहे और पोषण अच्छे से अंदर तक पहुंच सके।

यह प्रक्रिया आपके बालों को गहराई तक नमी देती है, जिससे दोमुंहें बाल कम होते हैं।

कंडीशनर के साथ मिलाकर इस्तेमाल करें

एबिसिनियन तेल को अपने कंडीशनर में मिलाकर इस्तेमाल करना एक अच्छा तरीका है।

जब आप कंडीशनर लगाते हैं तो उसमें कुछ बूंदें एबिसिनियन तेल की मिला लें और इसे अच्छी तरह से अपने बालों पर लगाएं। इसे कुछ मिनट तक छोड़ दें, फिर धो लें।

यह मिश्रण आपके बालों को गहराई तक नमी देता है, जिससे वे मुलायम और चमकदार बनते हैं और दोमुंहें बालों की समस्या कम होती है।

हेयर मास्क बनाएं

घर पर ही हेयर मास्क बनाने के लिए आप एबिसिनियन तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं।

इसके लिए एक चम्मच नारियल का दूध, एक चम्मच शहद, और कुछ बूंदें एबिसिनियन तेल मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इसे अपने पूरे सिर पर अच्छी तरह लगाएं और 30 मिनट तक छोड़ दें, फिर धो लें।

यह मास्क आपके बालों को गहराई तक पोषण देता है, जिससे वे स्वस्थ रहते हैं।

ड्रायर या स्ट्रेटनर के बाद इस्तेमाल करें

बाल ड्रायर या स्ट्रेटनर जैसे उपकरण अक्सर हमारे बालों की नमी छीन लेते हैं, जिससे दोमुंहें बालों की समस्या हो सकती है।

ऐसे में इनका इस्तेमाल करने के बाद थोड़ी मात्रा में एबिसिनियन तेल लेकर उसे अपनी हथेलियों पर रगड़ें और हल्के हाथों से अपने सूखे हुए बालों पर लगाएं।

इससे आपके बालों को तुरंत नमी मिलेगी, जो उन्हें टूटने से बचाएगी और दोमुंहें बाल की समस्या को कम करेगी।

कब्ज से राहत दिला सकते हैं घरेलू नुस्खे

शरीर की पाचन क्रिया के सुचारू रूप से काम न करने की वजह से कब्ज जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है, जो पेट और आंत से जुड़ी कई परेशानियों को जन्म दे सकती हैं। इसके अतिरिक्त, कब्ज की समस्या के कारण शरीर में भी भारीपन महसूस होने लगता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जो कब्ज की समस्या से जल्द राहत दिलाने में काफी मदद कर सकते हैं।

अगर कब्ज वाले लोग सुबह एक गिलास पानी पीने के बाद टहलते या फिर सूर्य नमस्कार जैसे योगासन का अभ्यास करते हैं तो इससे भी उनको फायदा होगा। इसके अतिरिक्त, कब्ज से राहत पाने के लिए ईसबघोल पाउडर को पानी या दही में मिलाकर खा सकते हैं।

रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं : निर्जलीकरण की वजह से व्यक्ति को कब्ज की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, जब कोई व्यक्ति निर्जलित हो जाता है, तो शरीर पेट सहित पूरे शरीर से पानी खींचना शुरू कर देता है, जिसके कारण कब्ज की समस्या उत्पन्न हो सकती है। इसलिए रोजाना कम से कम छह से आठ गिलास पानी जरूर पिएं क्योंकि इससे शरीर हाइड्रेट रहेगा और हाइड्रेट रहने से मल नरम रहता है, जिससे मल त्यागने में कोई परेशानी नहीं होती।

डाइट में शामिल करें फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ : कब्ज की समस्या से राहत पाने के लिए डाइट में फाइबर युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करना भी लाभदायक हो सकता है। इसके लिए अधिक से अधिक हरी सब्जियां, ताजे और मौसमी फल और साबुत अनाज आदि का सेवन किया जा सकता है। इस प्रकार के भोजन को करने से पाचन क्रिया स्वस्थ रहती है और अगर पाचन क्रिया सही रहेगी तो कब्ज जैसी पाचन संबंधित समस्याएं नहीं होगी।

तेल मालिश आएगी काम : आप चाहें तो कब्ज की समस्या से राहत पाने के लिए मालिश भी कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले बेड या फिर जमीन पर पीठ के बल लेटें, फिर अपनी हथेलियों पर थोड़ा सा तेल लेकर पेट की क्लॉक वाइज मालिश करें। ध्यान रखें कि मालिश हल्के हाथों से करनी है। कब्ज होने पर दिन में दो बार इस उपाय को अपनाएं और मालिश के बाद गर्म पानी या हर्बल टी पिएं।

एक्सरसाइज और योगासनों का अभ्यास करें : कुछ एक्सरसाइज और योगासनों का अभ्यास भी कब्ज की समस्या से राहत दिलाने में मदद कर सकता है। एक्सरसाइज की बात करें तो रिलेक्सिंग टेक्निक, स्ट्रैचिंग एक्सरसाइज और स्ट्रेटनिंग पेल्विक फ्लोर मसल एक्सरसाइज को अपने रूटीन में शामिल करना फायदेमंद है। वहीं, योगासनों के तौर पर सूर्य नमस्कार, उत्तानपादासन, मंडूकासन, मत्स्यासन, सुप्त वज्रासन, चक्रासन, धनुरासन, मकरासन, नौकासन और मत्स्य क्रीड़ासन आदि का अभ्यास करने से यह समस्या दूर हो सकती है।

अब सम्मान नहीं बल्कि लोकप्रियता हासिल करना ही मुख्य लक्ष्य

श्रुति व्यास

अब वह समय नहीं रहा जब आप झूठ न बोल कर सम्मान के पात्र बनते थे। आज राजनीति में झूठ बोलकर ही अपना नैरेटिव, सहानुभूति और जनसमर्थन चाहिए।

हम बहुत भद्दे, गंदे समय में जी रहे हैं। एक बुरी तरह बंटे और कटे हुए समाज में जी रहे हैं। हर आदमी सही है और हर आदमी गलत है। जो हर एक मुद्दे पर हमसे सहमत नहीं हैं वो हमारे लिए बुरा बन जाता है। राजनीति ने हालात और ख़राब किए हैं। लोगों को बांट दिया है, धुव्रीकृत कर दिया है। नेता अब विचारधारा के आधार पर नहीं चुने जाते है। हम किसी पार्टी को इसलिए वोट नहीं देते है क्योंकि हमें उस पर भरोसा है। बल्कि हम उसे इसलिए वोट देते हैं क्योंकि हम उसकी विरोधी पार्टी से डरते हैं या नफरत करते हैं। हम किसी को पसंद नहीं करते, हम उसके प्रतिद्वंदी को नापसंद करते है।

तभी बंटे हुए समाज में, इस ध्रुवीकरण से लोकलुभावन बातें बेइंतहा बढ़ गई है। सारी दुनिया में मुख्यधारा के अधिकांश राजनेता अब वोट हासिल करने और लोगों को भावनात्मक रूप से अपने से जोडने के लिए एक ही राग अपनाएं हुए है कि वे आम आदमी के पक्षधर हैं और कुलीनों, बड़े लोगों के विरोधी हैं।

लोक लुभावन बातें सिर्फ दलगत राजनीति तक सीमित नहीं हैं। सार्वजनिक संवादों में लोकलुभावनवाद का प्रयोग मुख्यतः सत्ता-विरोधी भावनाओं को भडक़ाने के लिए किया जाता है, इस नजरिए को पेश करने के लिए किया जाता है कि कुलीन भ्रष्ट हैं। यह धारणा इस हद तक बढ़ चुकी है कि %कुलीन वर्ग ' - जिसमें पढे-लिखे, अध्येता और पत्रकार भी शामिल हैं - ने इसे स्वीकार लिया है। नियति मान लिया है कि अब ऐसे ही चलेगा। यह हमारी रोजमर्रा की चर्चाओं में शामिल हो चुका है। यह सब मान चुके हैं कि कुलीन, बौद्धिक वर्ग भ्रष्ट है और आम लोगों के कॉमनसेंस, सहज समझदारी की चिंता नहीं करता।

सोशल मीडिया विरोध और नफरत से भरा हुआ है। सब एक दूसरे की हर मुद्दे पर खिलाफत कर रहे हैं। इनमें कांग्रेस और भाजपा दोनों शामिल हैं। पुराने, एक सेकंड लम्बे वीडियो खोद निकाल पोस्ट किए जा रहे हैं ताकि गुस्सा भडक़े। पार्टियों के ट्रोल योद्धा जोरशोर से ऐसी चीजें पोस्ट कर रहे हैं जिससे नफरत और बढ़ रही है। विरोधी भावनाएं' उफान पर हैं। विरासतों को कलंकित किया रहा है। प्राण त्याग चुके व्यक्ति की आत्मा को बार-बार यातना दी जा रही है - एक के बाद एक ट्वीट करके, मौके पर चौका मारने के लिए और इतिहास पर पर्दा डाला जा रहा है।

मैं यह नहीं समझ पा रही हूँ फैलाए जा रहे नैरेटिव - विशेषकर देश के एक पूर्व प्रधानमंत्री की मृत्यु से जुड़े हुए नैरेटिव - से भला किस तरह उसे आगे राजनैतिक, चुनावी लाभ हासिल होगा या पार्टी की इमेज चमकाई जा सकती है? लेकिन जब सत्ता पाना, उसके इस्तेमाल करने, से अधिक महत्वपूर्ण होता है तब कुछ भी सही या गलत नहीं रह जाता। आज की राजनीति इस हद तक नफरत भरी हो गई है कि झूठ बोलने में लोगों को मज़ा आता है। राजनीतिज्ञ अपने विरोधियों को दानव साबित करने में जुटे हुए हैं, फिर चाहे वे इस दुनिया में हों या न हों।

वे दूसरे पक्ष को भ्रष्ट, अतिवादी और बेईमान साबित करने के लिए बिना किसी झिझक के झूठ का सहारा ले रहे हैं। आखिरकार सच्चाई का सामना करने के लिए दमदार लीडरशीप की जरूरत होती है और राजनीति करने से आपको सदैव सबका सम्मान हासिल नहीं होता। डॉ। मनमोहन सिंह को हमेशा कड़वी अपमानजनक बातें सुननी पड़ीं लेकिन वे चुप्पी साधे रखने के अपने संकल्प से नहीं डिगे। उन्हें उनके कामों के लिए याद रखा जाएगा, उनका काम बोलेगा, यही उनका नजरिया रहा। और जो %सहज बुद्धि' के पक्षधर हैं, वे सदैव उन्हें इसके लिए ही याद रखेंगे। शायद यही वजह है कि लुटियन्स दिल्ली के बहुत से बड़े क्लबों ने नए साल के जश्न के कार्यक्रम एक ऐसे नेता के सम्मान में रद्द कर दिए हैं जिन्हें भारत की अर्थव्यवस्था को आज़ादी दिलाने वाले सेनानी के नाते याद किया जाता है। लेकिन दौर बहुत घिनौना है। अब वह समय नहीं रहा जब आप झूठ न बोल कर सम्मान के पात्र बनते थे। आज राजनीति में हालात यह हैं कि झूठ बोलकर ही सहानुभूति, करूणा और जनसमर्थन हासिल करने का जुनून किया है; इतिहास और समाज को बदलने की कोशिश है। क्योंकि अब सम्मान हासिल करना नहीं बल्कि लोकप्रियता हासिल करना ही मुख्य लक्ष्य है।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

पूंजीवादी व्यवस्था और आदर्श समाज की स्थापना

भारत डोगरा

इतिहास के पृष्ठों में यह सवाल बार-बार उभरता रहा है कि किसी भी समय का कोई समाज आदर्श के कितना नजदीक या दूर रहा है, पर इसके बावजूद यह आदर्श समाज या देश कैसा होना चाहिए इसके बारे में मतभेद आज तक बने हुए हैं।

अनेक बड़े स्वार्थ और ताकतें अपने हितों के अनुसार इस आदर्श समाज की सोच प्रस्तुत करते हैं और फिर अपने संसाधनों के भरपूर उपयोग से इस सोच का ही प्रचार-प्रसार करवाते हैं और अनुचित को उचित, गलत को सही सिद्ध करने का प्रयास करते हैं। इसका एक उदाहरण तो यह सोच है कि किसी एक देश का विश्व पर या बड़े क्षेत्र पर दबदबा या आधिपत्य उस देश का आदर्श है। इस तरह की सोच से किसी का भी भला नहीं होगा और बहुत सी हिंसा नाहक होगी पर शक्तिशाली देशों के असरदार व्यक्ति ऐसी सोच को तरह-तरह की आकषर्क शब्दावली में प्रस्तुत करते हैं तो उनका बहुत महिमा-मंडन किया जाता है क्योंकि शक्तिशाली और संसाधन संपन्नों को ऐसी सोच की जरूरत है।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पूंजीवादी और साम्यवादी देशों में एक होड़ थी कि किस व्यवस्था को विश्व में अधिक लोग अपने आदर्श के रूप में देखें और अपनाएं। दोनों व्यवस्थाओं ने अपना खूब प्रचार किया पर अपनी भीतरी समस्याओं और विसंगतियों को दूर नहीं किया। अतः पूंजीवादी व्यवस्था में शोषण और विषमता, पर्यावरण विनाश और युद्ध को बढ़ाने की प्रवृत्ति बनी रही तो साम्यवादी व्यवस्थाओं में अपने ही लोगों पर अत्याचार हुए और इसका पर्याप्त विरोध भी वहां नहीं किया जा सका।

सोवियत संघ के विघटन के बाद चीन ने भी पूंजीवादी देशों से सहयोग का रास्ता ही अपनाया और ऐसा लगा और प्रचारित भी हुआ कि अब तो पूंजीवाद की ही जीत है पर इस तरह की बहुत अनुकूल स्थितियों के बाद सबसे शक्तिशाली देशों ने युद्ध की प्रवृत्ति को छोड़ा नहीं अपितु विनाशकारी युद्धों और हमलों में दुनिया को उलझा दिया। यहां तक कि इस कारण तीसरे महायुद्ध का खतरा भी सामने आ गया। आक्रामकता के साथ पूंजीवाद की स्व-विनाशकारी प्रवृत्तियां भी नजर आई और अनुकूल स्थितियों के रहते हुए भी प्रमुख पूंजीवादी देशों (जैसे अमेरिका और ब्रिटेन) में बड़ी संख्या में लोग बुनियादी जरूरतों को जुटाने तक के लिए संघर्ष करते हुए पाए गए हैं, जबकि आज जर्मनी भी अपनी बिगड़ती आर्थिक स्थिति के बारे में बहुत चिंतित हैं। अतः बहुत अनुकूल स्थितियां मिलने पर भी पूंजीवादी व्यवस्था आदर्श समाज की स्थापना व्यापक और दीर्घ स्तर पर करने में विफल है। कुछ छोटे देशों ने थोड़े समय के लिए बेहतर परिणाम प्राप्त किए हैं, पर ये बहुत टिक नहीं पाए हैं (नार्वे, स्वीडन आदि देशों के अनुभव) और न ही ये पूंजीवाद की कुछ व्यापक विसंगतियों से बच पाए हैं। दूसरी ओर, पर्यावरण और छोटे किसानों के हितों की रक्षा न कर पाने, लोकतंत्र और लोकतांत्रिक विपक्ष को उचित मान्यता न देने के कारण साम्यवादी व्यवस्थाएं भी अपनी इस मान्यता को तेजी से खो रही हैं जो उन्होंने बहुत से न्यायप्रिय व्यक्तियों के बीच एक समय प्राप्त की थीं। इन निराशाओं के बावजूद मनुष्य की आदर्श व्यवस्था के लिए तलाश जारी रहेगी और अधिक सार्थक परिणाम के लिए उसे पहले की गलतियों से सीखते हुए ही आगे बढऩा होगा। मौजूदा समय विशेष कठिनाइयों का समय है क्योंकि अनेक पर्यावरणीय समस्याएं एक साथ विकट होती जा रही हैं, युद्ध अधिक खतरनाक होते जा रहे हैं और हथियार अधिक विनाशकारी होते जा रहे हैं। यह समय बहुत सावधानी से सही मार्ग खोजने का है, और उसी राह पर आगे बढऩे का है।

इस स्थिति में यदि आदर्श समाज को इस तरह परिभाषित कर सकें जो सरल होते हुए भी तर्कसंगत हो और जिसे बहुत से लोग आसानी से समझ कर अपना सकें तो यह बहुत उपयोगी होगा। आदर्श समाज वह समाज है जो न्याय और समता, अमन-शांति और लोकतंत्र, पर्यावरण, सामाजिक संबंधों की प्रगाढ़ता, ईमानदारी, महिला-सम्मान, भेदभाव की समाप्ति और सभी जीवन-रूपों के लिए करुणा पर आधारित है। इन सभी जीवन-मूल्यों को स्थानीय स्थितियों के आधार पर अपनाना चाहिए और इस तरह आदर्श समाज का रूप विश्व में विभिन्न स्थानों पर कुछ अलग जरूर होगा पर फिर भी चूंकि बुनियादी जीवन-मूल्य एक ही हैं, तो इसमें बहुत समानता भी होगी। यह सोच एक स्तर पर सरल और सीधी-सादी है और यह ऐसा गुण है जिसके आधार पर इसे बहुत से लोग आसानी से अपना सकते हैं। पर अपने समाज की विशेष स्थितियों में जब लोग यह तय करने के लिए एकत्र होंगे कि न्याय और समता की राह क्या है, अमन-शांति की राह क्या है, तो इस बारे में बहुत से अलग-अलग विचार सामने आएंगे। इस तरह जो पहली नजर में सीधा-सरल लगता है, उसमें अनेक विवाद भी आ सकते हैं। फिर भी यदि इन जीवन-मूल्यों को सही भावना से अपनाया गया है तो कोई बड़ी कठिनाई नहीं आएगी। विवादों का समाधान हो जाएगा। अमन-शांति और लोकतंत्र की सोच को जिन्होंने भली-भांति अपना लिया है, वे थोड़ा-बहुत लड़-झगड़ कर भी अंत में इन बुनियादी सिद्धांतों पर आधारित आदर्श समाज अपनी स्थानीय स्थितियों के अनुसार बना ही लेंगे।

यदि इस तरह के प्रयास विश्व के विभिन्न देशों में होते रहेंगे तो विभिन्न देशों में इस तरह के जीवन-मूल्यों पर आधारित सोच आगे आ सकेगी और उसे विभिन्न देशों में महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त हो सकेगा। इस तरह विभिन्न देशों में युद्ध और टकराव की संभावना को रोकने में मदद मिलेगी जो इस समय विश्व की बड़ी जरूरत है। इस व्यापक प्रयास से जुडऩे का पहला कदम तो यही है कि इन विभिन्न सिद्धांतों के आधार पर यानी न्याय, समता, अमन-शांति, पर्यावरण रक्षा, सभी जीवों के प्रति करुणा

▶▶ शेष पृष्ठ 5 पर

शब्द सामर्थ्य -104

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. श्रृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

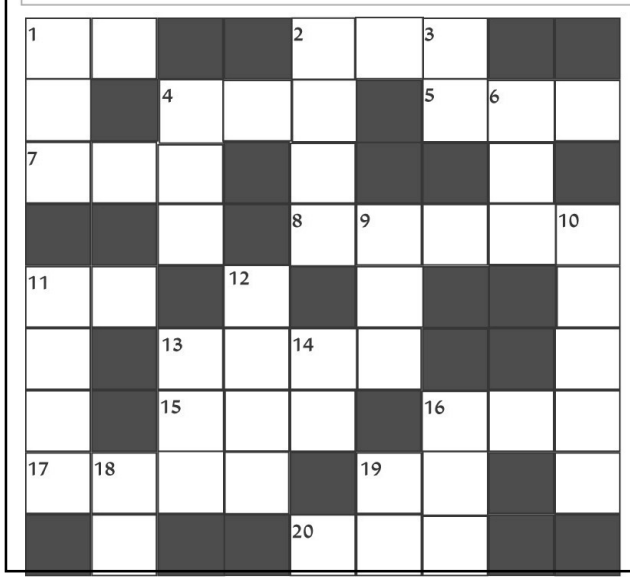

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 103 का हल

मै	दा	न	■	स	र	ग	म	■
त्री	■	सी	■	■	क्षा	■	धु	र्री
■	सा	ह	स	■	■	■	र	■
स्वा	ग	त	■	स	म	झौ	ता	■
व	र	■	■	र	■	■	■	म
लं	■	वि	ला	स	■	■	दा	म
बी	न	■	ज	■	सा	मा	न	ता
■	ज	■	वा	हि	या	त	■	■
त	र	की	ब	■	ना	■	खा	ली

नागबंधम से रुद्र के रूप में विराट कर्ण की झलक आई सामने!

युवा नायक विराट कर्ण का मचअवेटेड फिल्म नागबंधम से रुद्र के रूप में पहला लुक राणा दग्गुबाती द्वारा जारी किया गया है, जिसने देश भर के दर्शकों में भारी उत्साह पैदा कर दिया है। फिल्म निर्माता अभिषेक नामा द्वारा निर्देशित इस भव्य परियोजना ने अपनी घोषणा के बाद से ही काफी चर्चा बटोरी है। वहीं पोस्टर की झलक देखते ही फैंस ने कहा- एक और ब्लॉकबस्टर तैयार है।

पहले पोस्टर में विराट कर्ण को एक आकर्षक और दमदार अवतार में दिखाया गया है, जिसमें घुंघराले बाल, दाढ़ी और सुडौल शरीर है। एक साहसी मुद्रा में दिखाए गए कर्ण एक एक्शन से भरपूर दृश्य में शर्टलेस दिखाई देते हैं। जहां वह समुद्र में एक खतरनाक मगरमच्छ से लड़ते हैं। अपने हाथों और रस्सी से मगरमच्छ का मुंह पकड़े हुए, रुद्र का निडर व्यवहार और अथक शक्ति केंद्र में है, जो एक स्थायी छाप छोड़ती है। नागबंधम टैगलाइन द सीक्रेट ट्रेजर के साथ एक महाकाव्य साहसिक होने का वादा करता है, जो एक रोमांचकारी और रहस्यमय यात्रा का संकेत देता है। अभिषेक नामा द्वारा निर्देशित और लिखित, इस फिल्म का निर्माण किशोर अन्नापुरेड्डी द्वारा अभिषेक पिक्चर्स के सहयोग से एनआईके स्टूडियो के तहत किया जा रहा है, और इसे लक्ष्मी इरा और देवांश नामा द्वारा गर्व से प्रस्तुत किया जा रहा है।

इसकी भव्यता को बढ़ाते हुए, नागबंधम में एक प्रभावशाली कलाकारों की टुकड़ी है, जिसमें मुख्य महिला कलाकार के रूप में नाभा नटेश और ईश्वर्या मेनन शामिल हैं, साथ ही प्रसिद्ध अभिनेता जगपति बाबू, जयप्रकाश, मुरली शर्मा और बी।एस। अविनाश प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

यह फिल्म भारत के प्राचीन विष्णु मंदिरों के छिपे रहस्यों को उजागर करती है, विशेष रूप से नागबंधम की पवित्र प्रथा की खोज करती है। पद्मनाभस्वामी और पुरी जगन्नाथ जैसे प्रतिष्ठित मंदिरों में हाल ही में मिली खज़ाने की खोज से प्रेरित, कहानी आकर्षक पौराणिक कथाओं को आधुनिक कथा के साथ जोड़ती है, जो सदियों पुराने रहस्यों को जीवंत करती है। तकनीशियनों की एक बेहतरीन टीम इस विजन को बड़े पर्दे पर ला रही है। सौंदर राजन एस ने सिनेमैटोग्राफी की है, अभे ने संगीत तैयार किया है और कल्याण चक्रवर्ती ने संवाद लिखे हैं। संतोष कामिरेड्डी संपादन की देखरेख करते हैं, जबकि अशोक कुमार कला निर्देशक के रूप में योगदान देते हैं। वर्तमान में इसकी शूटिंग चल रही है, नागबंधम को तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

महाअवतार नरसिम्हा : हिरण्यकश्यप का सर्वनाश करने के लिए भगवान विष्णु ने लिया अवतार

होम्बाले फिल्म्स और कलीम प्रोडक्शन्स ने मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर महाअवतार नरसिम्हा का बहुप्रतीक्षित टीज़र रिलीज़ किया है। अश्विन कुमार के निर्देशन में बनी यह एनीमेटेड सीरीज़ भगवान विष्णु के सभी अवतारों की कहानियां पेश करने के उद्देश्य से बनाई गई महाअवतार सीरीज़ का पहला भाग है। महाअवतार नरसिम्हा टीज़र में भक्त प्रह्लाद की कहानी और भगवान नरसिंह के अवतार का वर्णन किया गया है, जहां भगवान विष्णु ने बुराई के अंत और धर्म की पुन-स्थापना के लिए यह रूप धारण किया था। यह फिल्म दर्शकों को एक अनोखा अनुभव देने का वादा करती है। यह फिल्म 3 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। टीज़र में भव्य एनिमेशन, सांस्कृतिक विविधता और भक्तिमय माहौल को जीवंत किया गया है। इसे थ्रीडी में और पांच भारतीय भाषाओं में रिलीज़ किया जाएगा। मेकर्स का कहना है कि इस फिल्म के जरिए वे भारतीय पौराणिक कथाओं और संस्कृति को वैश्विक स्तर पर ले जाना चाहते हैं। महाअवतार नरसिम्हा को होम्बाले फिल्म्स और कलीम प्रोडक्शन्स ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह कांतारा के बाद होम्बाले फिल्म्स का दूसरा ऐसा प्रोजेक्ट है, जो भारतीय संस्कृति और धर्म की अनसुनी कहानियों को बड़े पर्दे पर लाने की कोशिश करता है। कांतारा ने कोला त्योहार की अनोखी कहानी को सामने लाकर दर्शकों का दिल जीता था। फिल्म को लेकर निर्माता शिल्पा धवन, कुशल देसाई, और चैतन्य देसाई का कहना है कि एनिमेशन के जरिए यह कहानी हर आयु वर्ग के दर्शकों तक पहुंचेगी। मकर संक्रांति पर इस टीज़र की रिलीज़ से दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ गया है।

पूंजीवादी व्यवस्था और आदर्श समाज...

◀◀ पृष्ठ 4 का शेष

आदि के आधार पर हम अपने आसपास के परिवेश को देखने-समझने लगें, और गंभीर रचनात्मकता से सोचने लगें कि इसमें कहां, क्या, किस सुधार की जरूरत है। इस तरह के नजरिए से अपने आसपास के समाज को देखना और समझना ही इस दिशा में पहला कदम है, और अपने आप में सामाजिक प्रगति भी है। यह रचनात्मक प्रयास हो सकता है, और शिक्षा व्यवस्था में इसे महत्त्वपूर्ण स्थान मिलना चाहिए। बड़ी बात है कि हम अपने परिवेश को, समाज को उसके जड़ रूप में ही न देखते रहें, बल्कि इस ओर अधिक ध्यान दें कि न्याय की दृष्टि से बेहतर संबंधों, अमन-शांति की दृष्टि से इसे किस तरह का होना चाहिए। यदि नई पीढ़ी यह सोचते-विचारते हुए, इस बारे में अपनी समझ बनाते हुए अपना जीवन जीएगी तो निश्चय ही एक बेहतर दुनिया बनाने में बहुत मदद मिलेगी। दुर्भाग्यवश शिक्षा सुधारों में प्राय- इस तरह की सोच को अधिक महत्त्व नहीं दिया गया है, पर यदि यह हो सके तो यह एक महत्त्वपूर्ण कदम सही दिशा में होगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

खूबसूरत साड़ी पहन प्रज्ञा जैसवाल ने कैमरे के सामने दिखाई हॉटनेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस को अपना दीवाना बना देती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने करियर में अबतक 14 से ज्यादा फिल्मों, सीरियल और सीरीज में काम किया है। वो भले ही इन दिनों किसी फिल्मों में नहीं नजर आ रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी तस्वीरों से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका हॉट एंड ग्लैमरस अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

प्रज्ञा जैसवाल की हालिया फोटोशूट कराई गई तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने येलो कलर की बेहद ही खूबसूरत सिंपल साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग और हॉट नजर आ रही हैं।

खुले बाल, चेहरे पर प्यारी सी स्माइल और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।

हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने तस्वीरों पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है- यू लुक ग्लैमरस। तीसरे यूजर ने लिखा है- स्टनिंग। ऐसे ही एक के बाद एक कॉमेंट आ रहे हैं।

लकी भास्कर के बाद मीनाक्षी चौधरी के हाथ लगी एक और फिल्म

नवीन पोलीशेट्टी साउथ के एक प्रतिभाशाली अभिनेता हैं। हालांकि, लंबे समय से वह किसी बड़ी फिल्म में नजर नहीं आए हैं। उनकी आखिरी फिल्म मिस शेट्टी मिस्टर पोलीशेट्टी को रिलीज हुए काफी समय हो चुका है। अब, अभिनेता के फैंस के लिए एक खुशखबरी आई है। नवीन की आगामी फिल्म अनगनगा ओका राजू नाम की फिल्म को फिर से शुरू किया गया है।

पहले इस फिल्म को कुछ कारणों से रद्द कर दिया गया था, लेकिन अब यह फिर से बन रही है। इसका टीजर आज रिलीज होने वाला है। फिल्म में शुरुआत में श्रीलीला को मुख्य अभिनेत्री के रूप में कास्ट किया गया था, लेकिन शेड्यूल के टकराव के कारण उन्होंने इस प्रोजेक्ट को छोड़ दिया।

इसके बाद फिल्म में उनकी जगह मीनाक्षी चौधरी को कास्ट किया गया है। मीनाक्षी को हाल ही में लकी भास्कर में देखा गया था। फिल्म में उनकी अदाकारी को लोगों ने काफी सराहा था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। फिल्म में दुलकर सलमान ने मुख्य भूमिका निभाई थी। बड़े पर्दे के बाद इस फिल्म को ओटीटी पर भी खूब पसंद किया गया था।

इस फिल्म की सफलता के बाद अब उनके हाथ एक और फिल्म आ गई है। नवीन पोलीशेट्टी के साथ इस फिल्म से उनके करियर को नई उड़ान मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

अमेरिकी शर्तों के प्रति भारत का सतर्क रुख

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

अमेरिकी विदेश नीति अमेरिकी प्रभुत्व पर आधारित रही है जिसमें इस तथ्य पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया जाता है कि विदेशों में अग्रणी भूमिका बनाएं रखने में कौन सा देश उसका सबसे ज्यादा सहयोगी है तथा इस भागीदारी को और कैसे पुख्ता किया जा सकता है।

दुनिया के सबसे ताकतवर देश की विदेश नीति मनोवैज्ञानिक दबाव की रणनीति पर आगे बढने से संकोच नहीं करती, यह सामरिक, आर्थिक या राजनैतिक हो सकता है।

इस समय भारत और अमेरिका के संबंधों को इतिहास का बेहतरीन दौर बताया जा रहा है, लेकिन असल में कूटनीतिक वास्तविकताएं अविश्वास की खाई को पाट नहीं सकी है। इतिहास को पीछे छोडक़र दोनों देशों के शीर्ष राजनेता एक दूसरे के प्रति सार्वजनिक आलोचनाओं से परहेज भले ही करें, साझेदारी की अमेरिकी शर्तों के प्रति भारत का सतर्क रुख अमेरिकी नीति-निर्माताओं को असहज कर रहा है।

दरअसल, वॉशिंटगन पोस्ट में छपी एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया कि भारत ने 2023 के मालदीव चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की थी तथा मोदी सरकार भारत समर्थक इब्राहिम सोलिह को राष्ट्रपति बनाए रखना चाहती थी। इस रिपोर्ट का खंडन भारत और मालदीव दोनों देशों द्वारा किया गया। सूचना युद्ध उन्नत युद्धक्षेत्र प्रबंधन रणनीतियों का एक हिस्सा है। शांति काल में इसका लक्ष्य अक्सर राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाना और विदेशी देश में जनता की राय को प्रभावित करना होता है। अमेरिका और रूस के बीच सूचना युद्ध की तीव्रता भले ही अत्यधिक हो, भारत को लेकर भी अमेरिकी कूटनीति की भूमिका बेहद आक्रामक नजर आती है।

अमेरिका का सूचना और खुफिया तंत्र खालिस्तानी आतंकवाद, कनाडा और मानवाधिकार को लेकर भारत विरोधी रुख अपनाता रहा है। पिछले साल सितम्बर में प्रधानमंत्री मोदी क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेने अमेरिका पहुंचे थे, उसके कुछ घंटे पहले व्हाइट हाउस में अमेरिकी अधिकारियों ने खालिस्तान आंदोलन के समर्थक सिखों के एक समूह से मुलाकात की थी। इस दौरान व्हाइट हाउस ने उन्हें अपनी धरती पर किसी भी अंतरराष्ट्रीय आक्रमण से सुरक्षा का आासन भी दिया। बांग्लादेश में शेख हसीना की जरूरत को भारत के द्वारा अमेरिकी प्रशासन के सामने रखने के बाद भी हसीना की सरकार का तख्तापलट और उसके बाद की राजनीतिक परिस्थितियां भारत के लिए बेहद प्रतिकूल दिखाई दे रही है।

शेख हसीना की सरकार के पतन में अमेरिका की भूमिका को लेकर कई तथ्य सामने आए हैं। अमेरिका ने भारत के हितों को नजरअंदाज कर बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति पैदा कर दी, भारत इस प्रकार की अमेरिकी कोशिशों का विरोध करता रहा है। श्रीलंका, बांग्लादेश, मालदीव और नेपाल जैसे पड़ोसी देशों में भारत का सांस्कृतिक प्रभाव रहा है और इसका असर राजनीतिक परिस्थितियों पर भी पड़ता है। इन देशों में भारत की मजबूती से चीन के हित प्रभावित होते हैं, लेकिन इन देशों में अमेरिका भारत से जिस प्रकार की साझेदारी की इच्छा रखता है, भारत के लिए उस पर आगे बढना सामरिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण है। अमेरिका हिन्द-प्रशांत की रणनीति के केंद्र में भारत को आगे रखने की कोशिशें करता रहा है, वहीं भारत ने चीन को लेकर वैसी आक्रामकता नहीं दिखाई है, जिसकी अमेरिका ने अपेक्षा की थी।

अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में यह उल्लेख किया गया है, चीन इंडो-पैसिफिक में अमेरिका को विस्थापित करना चाहता है और अपने राज्य-संचालित आर्थिक मॉडल की पहुंच का विस्तार करना चाहता है।

चीन सैन्य, आर्थिक और तकनीकी रूप से प्रतिस्पर्धा कर रहा है। इसकी तकनीकी महत्त्वाकांक्षाएं इसके सैन्य विकास से अटूट रूप से जुड़ी हुई हैं। भारत चीन की साम्राज्यवादी महत्त्वाकांक्षाओं का विरोध तो करता है, लेकिन इसे युद्ध की कगार पर ले जाने वाली अमेरिकी योजनाओं का भाग बनने को वह बिल्कुल तैयार नहीं है। एशिया में अमेरिकी प्रभाव को आगे बढ़ाने में दक्षिण कोरिया, जापान और ऑस्ट्रेलिया अमेरिका की महत्त्वपूर्ण भागीदार अवश्य हो, लेकिन इन देशों के चीन से मजबूत आर्थिक संबंध है। ये देश अमेरिका के चीन को लेकर आर्थिक अलगाव की नीति से इत्तेफाक रखते हुए आगे बढ़ते कभी नहीं दिखाई दिए। वहीं भारत की आर्थिक और सामरिक चुनौतियों में अमेरिका ने अवसर ढूंढने की अक्सर कोशिश की है। अपनी सफलता को सुनिश्चित करने के लिए वह भारत पर दबाव बढ़ाने की कूटनीति आजमाता रहता है, हालांकि भारत की सामरिक स्वायत्ता की नीति भी अमेरिका को परेशान करती रही है।

भारत द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को विकसित करने और पारंपरिक सुरक्षा खतरों के खिलाफ कठोर शक्ति का निर्माण करने पर अधिक तत्काल ध्यान केंद्रित करना चाहता है। भौगोलिक और रणनीतिक दृष्टि से भारत के लिए रूस ज्यादा अहम हो जाता है। दुनिया का सबसे बड़ा और सफल लोकतंत्र भारत अपनी विविधता और संप्रभुता को ध्यान में रखकर कूटनीतिक कदम उठाता है। सैन्य गठबंधनों से समान दूरी प्रारम्भ से ही भारत की गुटनिरपेक्ष नीति रही है। भारत ये मानता है कि आर्थिक विकास की तेज गति हासिल करने के लिए उसे किसी गठबंधन व्यवस्था के खांचे से दूरी बनाकर रखनी होगी। दक्षिण एशिया को लेकर कई बार अमेरिका की व्यापक नीति, भारत के मूलभूत हितों से अलग होती है। भारत की स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी पर रूस का प्रभाव है। तकनीकी हस्तांतरण को लेकर रूस ने भारत पर जो भरोसा दिखाया है, वह अमेरिका ने कभी नहीं दिखाया। भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग बढने के बाद भी भारत इस बात को लेकर आशंकित रहता है कि वह सुरक्षा प्रतिष्ठानों को प्रतिबंधित भी कर सकता है।

पिछले साल अमेरिका ने यूक्रेन में रूस के युद्ध प्रयासों में मदद करने के आरोप में 19 भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया। 2023 में भी एक भारतीय कंपनी पर रूसी सेना की मदद करने के आरोप में प्रतिबंध लगाया गया था। संयुक्त राज्य अमेरिका हिन्द-प्रशांत में अपनी रणनीति को प्रभावी ढंग से लागू करने और अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में विफल इसलिए है क्योंकि वह भारत का भरोसा नहीं जीत पाया है। जाहिर है बेहतर परिणामों के लिए अमेरिका को भारत और भारत के पड़ोसी देशों में अवांछित हस्तक्षेप की नीति से बचना होगा।

मौनी रॉय ने जताई डांस आधारित फिल्म में काम करने की इच्छा

एंटरप्रेन्योर-अभिनेत्री मौनी रॉय का ऑन-स्क्रीन उपस्थिति से सुर्खियां बटोरना कोई नई बात नहीं है। हाल ही में एक बातचीत में, उन्होंने विभिन्न डांस कला को सीखने के अपने जुनून का खुलासा किया और एक डांस-आधारित फिल्म करने में गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने साझा किया, मुझे विभिन्न प्रकार के डांस सीखना पसंद है, और कहा, मैं एक दिन ऐसी फिल्म पर काम करने के अवसर की प्रतीक्षा कर रही हूं!

मौनी अक्सर अपने सोशल मीडिया के जरिए डांस के प्रति अपना दीवानगी जाहिर करती रहती हैं। वह अक्सर विभिन्न डांस शैलियों में अपने प्रदर्शन के वीडियो और इम्प्रोम्टू डांस सेशन साझा करती हैं। पर्दे पर अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर अभिनेत्री ने खुलासा किया कि डांस उनकी लव लैंग्वेज है और यह उनके दिल में एक विशेष स्थान रखती है। वर्तमान में, मौनी कई रोमांचक परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जिससे प्रशंसकों में उत्सुकता बनी हुई है कि आगे क्या होगा। वह सक्रिय रूप से कई दिलचस्प स्क्रिप्ट पढ़ रही हैं। डांस के प्रति अपने बढ़ते उत्साह और आशाजनक परियोजनाओं के साथ, मौनी रॉय अपने ऑन-स्क्रीन करिश्मा से अपने प्रशंसकों को प्रभावित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

सू- दोकू क्र. 104

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 103 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

सहकारिता: एक सतत और समावेशी वैश्विक भविष्य की कुंजी

मुरलीधर मोहोल

हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) का वैश्विक सहकारी सम्मेलन 2024, सौ से अधिक देशों से आए वैश्विक नेताओं की एक सभा मात्र न होकर कहीं अधिक मायने रखता है; यह एक सतत एवं न्यायसंगत भविष्य को आकार देने में सहकारी समितियों के बढ़ते महत्व का प्रमाण है। सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ किया, जो एक महत्वपूर्ण वैश्विक पहल है जिसका मूल उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यानाकर्षित कराना है। यह वर्ष वैश्विक, आर्थिक और सामाजिक विमर्श का वह महत्वपूर्ण अध्याय बन रहा है, जहाँ सहकारी समितियों को न केवल स्थानीय विकास के साधन बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में भी पहचान दी जा रही है।

सहकारी मॉडल के मूल में एक सरल लेकिन शक्तिशाली अवधारणा निहित है - परस्पर लाभ के लिए एक साथ काम करते लोग। सहकारिता सामूहिक स्वामित्व, साझा जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक निर्णय लेने पर जोर देती है। इन सिद्धांतों ने दुनिया भर में कृषि, स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय सेवाओं से लेकर ऊर्जा उत्पादन तक उल्लेखनीय सफलताएँ दिलाई हैं।

भारत में, सहकारी समितियाँ ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं । उदाहरण के लिए, अमूल ने न केवल भारत को दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक बना दिया है, बल्कि सहकारिता के माध्यम से आत्मनिर्भरता और समृद्धि का प्रतीक भी बन गया है। अमूल जैसी डेयरियां उन सभी महिलाओं को सशक्त बनाकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिला नेतृत्व वाले विकास का समर्थन करती हैं, जो महिलाएं व्यावसायिक दूध उत्पादक के लिए ऐसी समितियों से जुड़ी हुई हैं। अपने सहकारी मॉडल के माध्यम से ये सहकारी समितियाँ नेतृत्व की भूमिकाएँ, कौशल विकास और वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं, जिससे महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद मिलती है और अर्थव्यवस्था में उनकी भूमिका और मजबूत होती है।

भारत ने लंबे समय से आर्थिक परिवर्तन और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देने के साधन के रूप में सहकारी समितियों के मूल्य को पहचाना है। नई दिल्ली में आयोजित आईसीए वैश्विक सहकारी सम्मेलन के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति ने सहकारी आंदोलन के प्रति भारत की गहरी प्रतिबद्धता को उजागर किया है। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के शुभारंभ के दौरान उनके संबोधन ने एक आत्मनिर्भर, समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में सहकारिता की भूमिका को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण ने हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाने की सहकारी क्षेत्र की क्षमता पर भी प्रकाश डाला, खासकर ग्रामीण भारत में, जहाँ सहकारी समितियाँ, कृषि और डेयरी फार्मिंग जैसे क्षेत्रों की रीढ़ बनी हुई हैं। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत सरकार ने सहकारी क्षेत्र को बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन ने देश के सहकारी परिदृश्य को नया आयाम देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनके कुशल दिशानिर्देशों में, भारत एक आधुनिक सहकारी ढांचे की ओर बढ़ रहा है जो डिजिटल अर्थव्यवस्था की मांगों के अनुरूप है। सहकारी समितियों की पहुँच और प्रभावशीलता का विस्तार करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की प्रधानमंत्री और सहकारिता मंत्री की सोच तेसे डिजिटल होती दुनिया में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। सहकारी समितियों का भविष्य, बदलते समय के साथ इनके विकसित होने, और दक्षता में सुधार के लिए आधुनिक उपकरणों को समाहित करने की उनकी क्षमता में निहित है।

17 नगर निकायों के लिए 619 पोलिंग पार्टियां सुरक्षा बल के साथ रवाना

हमारे संवाददाता

रुद्रपुर। नगर निकाय निर्वाचन को निष्पक्ष व पादर्शिता के साथ सम्पन्न कराने के लिये जिला निर्वाचन अधिकारी नितिन सिंह भदौरिया की निर्देशन में आज जनपद उधमसिंह नगर के 9 नगर निकायों रूद्रपुर, नगला, गदरपुर, बाजपुर लालपुर, दिनेशपुर, गुलरभोज, केलाखेड़ा व सुल्तानपुर के लिये 263 पोलिंग पार्टियों ने बगवाड़ा मंडी से मतदान सामाग्री लेकर मतदेय स्थलों को प्रस्थान किया गया।

इसी तरह नवीन फल मण्डी काशीपुर से 4 निकायों काशीपुर, महुआखेड़ा गंज, जसपुर व महुआडाबरा के लिए 234, मण्डी समिति सितारगंज से नगर निकाय सितारगंज, शक्तिगढ़ व नानकमत्ता के लिए 50 पोलिंग पार्टियां तथा मण्डी समिति खटीमा से नगर निकाय खटीमा में शान्तिपूर्ण मतदान कराने हेतु 72 मतदान पार्टिया मतदान सामग्री लेकर सुरक्षा बलों के साथ रवाना हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त कार्मिकों की हौसला अफजाही की व आपसी समन्वय के साथ टीम भावना से कार्य करते हुये अपने दायित्वों का भलिभांति निर्वहन कर मतदान सम्पन्न कराने को कहा। उन्होने कहा कि मतदान दिवस के दिन निर्धारित समय प्रात: 8 बजे से मतदान प्रारम्भ कराना सुनिश्चित करायेगें। उन्होने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया सम्पादित करने के दौरान किसी प्रकार की घबराने की जरूरत नही है, शालीनता से धैर्य पूर्वक कार्य कर पारदर्शिता से मतदान सम्पन्न कराये। उन्होने कहा कि बूथ के भीतर मोबाईल पूर्णत: प्रतिबन्धित है तथा प्रत्याशियों के बस्ते बूथ के 200 मीटर परिधि के बाहर लगाना सुनिश्चित करेगें। उन्होने पिंक बूथ में तैनात महिला कार्मिकों की भी हौसला अफजाही करते हुये धैर्य के साथ कार्य कर पादरर्शिता से मतदान सम्पन्न कराने को कहा व शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर आर ओ टीएस मर्तोलिया, आशिमा गोयल, मनीष बिष्ट, डॉ. अमृता शर्मा, सुशील कुमार, एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी, नोडल कार्मिक के एस रावत सीओ निहारिका तोमर, आर डी मठपाल सहित एआरओ, जोनल व सैक्टर मजिस्ट्रेट आदि मौजूद थे।

वार्ड 51 से कांग्रेस प्रत्याशी शुभम ने प्रदर्शन कर दिखायी शक्ति

संवाददाता

देहरादून। प्रचार के आखिरी दिन वार्ड नम्बर 51 वाणी विहार से कांग्रेस प्रत्याशी शुभम ने प्रदर्शन कर अपनी शक्ति का अहसास दिलाया।

गत दिवस (21 जनवरी को) चुनाव प्रचार के आखिरी दिन सभी दलों व प्रत्याशियों ने अपना-अपना शक्ति प्रदर्शन किया। वहीं वार्ड नम्बर-51 से कांग्रेस प्रत्याशी शुभम चौहान ने भी अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया। सुबह से ही शुभम चौहान के चुनाव कार्यालय पर कार्यकर्ताओं व समर्थकों की भीड एकत्रित होनी शुरू हो गयी और आखिरी समय पर शुभम के समर्थन में कार्यकर्ता व समर्थक नारेबाजी करते हुए क्षेत्र में निकल पडे और शुभम के लिए जनता से समर्थन मांगा। शक्ति प्रदर्शन में युवा ही नहीं महिलाएं, पुरूष व बच्चे भी बडी संख्या में शमिल रहे और उन्होंने क्षेत्र में घर-घर जाकर शुभम चौहान के समर्थन में वोट मांगे। इस दौरान शुभम चौहान के शक्ति प्रदर्शन ने अन्य प्रत्याशियों को हिलाकर रख दिया। चुनाव के आखिरी दिन होने के कारण युवाओं में खासा जोश देखने को मिल रहा था वहीं महिलाएं भी घर-घर जाकर महिलाओं से सम्पर्क कर शुभम चौहान की कार्य योजनाओं से लोगों को अवगत करा रही थी कि अगर शुभम चौहान जीतकर आता है तो वार्ड की रूप रेखा बदल जायेगी।

श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर कांग्रेस मेयर प्रत्याशी ने पदाधिकारियों के साथ किया प्रसाद वितरण

संवाददाता

देहरादून। अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर कांग्रेस प्रत्याशी विरेन्द्र पोखरियाल ने पदाधिकारियों के साथ प्रसाद वितरण किया।

आज यहां अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ के पावन अवसर पर चकराता के कांग्रेस विधायक प्रीतम सिंह, देहरादून मेयर प्रत्याशी वीरेंद्र पोखरियाल और वरिष्ठ कांग्रेस नेता लाल चंद शर्मा ने देहरादून के किशन नगर चौक स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में भक्तों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में उपस्थित विधायक प्रीतम सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा, राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक धरोहर और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों का प्रतीक है। कांग्रेस पार्टी भगवान राम के संदेशों 'सत्य, न्याय और समानताश को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। रामराज्य का आदर्श केवल वादों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे हर नागरिक के जीवन में महसूस किया जाना चाहिए।'

देहरादून मेयर प्रत्याशी वीरेंद्र पोखरियाल ने कहा, 'भगवान श्री राम के आदर्श केवल एक समुदाय या वर्ग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे सभी भारतीयों के लिए प्रेरणा हैं। कांग्रेस पार्टी का मानना है कि धर्म और संस्कृति का उद्देश्य समाज में भाईचारे और समरसता को बढ़ावा देना है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि राम मंदिर जैसे ऐतिहासिक और आध्यात्मिक प्रतीक के माध्यम से सामाजिक विकास और शांति को बढ़ावा दें। वरिष्ठ कांग्रेस नेता लाल चंद शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा, राम मंदिर का निर्माण एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि इस प्रतीक का उपयोग समाज में सकारात्मकता और एकता को बढ़ावा देने के लिए किया जाए। कांग्रेस हमेशा से धर्म को समाज में विभाजन के लिए नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने के माध्यम के रूप में देखती है। इस अवसर पर हमें भगवान राम के आदर्शों से प्रेरणा लेकर गरीब, वंचित और हर जरूरतमंद की मदद के लिए काम करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान राधा-कृष्ण मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया।

कांग्रेस पार्टी की इस पहल ने यह स्पष्ट किया कि पार्टी केवल राजनीतिक दल नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और मूल्यों की संरक्षक है। कांग्रेस नेताओं ने समाज के हर वर्ग से भगवान राम के आदर्शों को आत्मसात करने और एक ऐसा समाज बनाने का आह्वान किया जो समानता, सद्भाव और विकास की भावना को बढ़ावा देता हो। इस अवसर पर निवर्तमान पार्षद कोमल वोहरा, संजय काला, राजू प्रजापति, संजय कन्नौजिया, पंकज क्षेत्री, दिवान सिंह तोमर मौजूद रहे।

कार गहरी खाई में गिरी, महिला फार्मासिस्ट की मौत

विशेष संवाददाता

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ हाईवे पर आज सुबह एक स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। जिसमें सवार एक महिला की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कार में महिला अकेली ही थी तथा वह खुद ही गाड़ी चला रही थी। मृतक महिला की पहचान श्रीनगर निवासी कुसुम लता के रूप में हुई है जो अगस्तमुनि में फार्मासिस्ट के पद पर कार्यरत थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सुबह 9:45 बजे यह हादसा उस समय हुआ जब कुसुम लता श्रीनगर से अपने कार्यस्थल अगस्तमुनि जा रही थी। उनकी कार जब भटवाड़ी सैंण के पास पहुंची तो वह अनियंत्रित होकर डेढ़ सौ मीटर गहरी खाई में जा गिरी। स्थानीय लोगों द्वारा इस हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस तथा एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद खाई में उतरकर देखा तो उन्हें गाड़ी में अकेली महिला ही मिली। जिसे किसी तरह बाहर निकाल कर अस्पताल भेजा गया लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही महिला ने दम तोड़ दिया था। महिला की तत्काल ही पहचान हो जाने के कारण इसकी सूचना उनके परिजनों व कार्यस्थल पर दे दी गई है।

कुसुम लता अगस्तमुनि में फार्मासिस्ट के पद पर कार्य थी तथा श्रीनगर की रहने वाली थी वह अपनी कार से आज जब ड्यूटी जा रही थी तो रास्ते में यह हादसा हो गया हादसे का कारण कार की अधिक गति बताया जा रहा है पुलिस मामले की जांच में जुटी है तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव ने विभिन्न वार्डों में किया जन संवाद

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव गुरदीप सिंह सप्पल ने विभिन्न वार्डो में जाकर जनता से संवाद किया।

आज देहरादून नगर निगम के विभिन्न वार्डों में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव गुरदीप सिंह सप्पल ने कई बैठकों कर कांग्रेस के लिये जनता से समर्थन की अपील करी। आज उन्होंने ने क्षेत्रीय नेताओं के साथ वार्ड - 80 रेस्ट कैम्प, वार्ड - 34 गोविंदगढ़, वार्ड 43 - पटेल नगर पश्चिम, वार्ड 20 - रेस कोर्स दक्षिण में आम जन से विभिन्न कार्यक्रमों में जन-संवाद किया। वार्ड - 34 गोविंदगढ़ में आयोजित ष सिख - पंजाबी संवाद ष कार्यक्रम में कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव गुरदीप सिंह सप्पल ने कहा कि कांग्रेस इस देश के सभी धर्मों और वर्गों को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है।

इस बार नगर निगम में कांग्रेस के मेयर और पार्षद प्रत्याशीयों के सहयोग से देहरादून में परिवर्तन से ही विकास

संभव होगा। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर ने कहा कि भाजपा को नगर निगम देहरादून के 15 साल के भ्रष्टाचार का हिसाब देना होगा । देहरादून में 1537 करोड़ के स्मार्ट सिटी भ्रष्टाचार से लेकर 15 साल में नगर निगम देहरादून की हर मोर्चे पर विफलता को लेकर देहरादून की जनता त्रस्त है अत: जनता के मुद्दों पर इस बार जनता कांग्रेस के मेयर व पार्षदों को चुनने जा रही है। गुरदीप सिंह सप्पल व अन्य नेताओं ने गोविंदगढ़ व पटेल नगर के गुरुद्वारों में माथा टेक कर आशीर्वाद मांगा।

विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवक्ता अभिनव थापर, अमरजीत सिंह, पार्षद प्रत्याशी अमृता कौशल, अर्चना कपूर, महानगर अध्यक्ष डॉ जसविंदर सिंह जोगी, मदन लाल, पूर्व पार्षद चरणजीत कौशल, सुभाष इस्सर, अनूप कपूर, नरेंद्र कुकरेजा, युवा कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष मोहित मेहता मोनी व अन्य ने भाग लिया।

एक नजर

राष्ट्रीय रंगशाला शिविर, नई दिल्ली में सांस्कृतिक कार्यक्रम

उत्तराखण्ड की झांकी के कलाकारों को मिला द्वितीय पुरस्कार

संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय रंगशाला शिविर में आयोजित प्रतियोगिता में को बेस्ट तीन राज्यों में उत्तराखण्ड को बेस्ट द्वितीय स्थान में पुरस्कार प्राप्त हुआ।

आज यहां राष्ट्रीय रंगशाला शिविर, नई दिल्ली में आयोजित प्रतियोगिता में विभिन्न प्रदेशों एवं मंत्रालयों की झांकी कलाकारों द्वारा अपने-अपने प्रदेशों की संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नृत्य प्रस्तुत किये गए। प्रतियोगिता में बेस्ट 3 राज्यो में उत्तराखंड राज्य को बेस्ट द्वितीय स्थान में पुरस्कार प्राप्त हुआ। उत्तराखंड गठन के बाद उत्तराखंड की झांकी के कलाकारों को यह पुरस्कार दूसरी बार प्राप्त हुआ है। इससे पूर्व, वर्ष 2018 में उत्तराखण्ड के झांकी के कलाकारों को तृतीय स्थान पर पुरस्कार प्राप्त हुआ था। उल्लेखनीय है कि गणतंत्र दिवस परेड के लिए उत्तराखंड की झांकी में सूचना विभाग के संयुक्त निदेशक एवं टीम लीडर के.एस. चौहान के नेतृत्व में उत्तराखंड राज्य से 16 कलाकार गणतंत्र दिवस परेड में उत्तराखंड झांकी में भाग ले रहे हैं। उत्तराखंड राज्य के सूचना विभाग के संयुक्त निदेशक एवं टीम लीडर के.एस. चौहान ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में देश के विभिन्न राज्यों से कलाकार आते हैं इन कलाकारों से भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय रंगशाला शिविर, नई दिल्ली में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रतियोगिता कराई जाती है जिसमे एक दल को केवल 3:30 मिनट का समय दिया जाता है। निर्धारित समय मे अपने अपने लोक संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत करने होते हैं। जिसमें, उत्तराखंड राज्य के कलाकारों ने "प्रसिद्ध जागर गायन एवं लोकनृत्य छपेली" इस प्रतियोगिता में प्रस्तुत की गयी। जिसको भारत सरकार द्वारा गठित समिति ने पुरस्कार के लिए चयनित किया इस "प्रसिद्ध जागर गायन एवं लोकनृत्य छपेली" में उत्तराखंड राज्य की लोक संस्कृति की झलक को समिति द्वारा बहुत पसंद किया गया जिसके कारण उत्तराखंड राज्य को यह पुरस्कार प्राप्त हो सका। चौहान ने कहा कि झांकी के कलाकरों ने 14 जनवरी, 2025 से प्रतिदिन कठोर अभ्यास कर इस उपलब्धि को प्राप्त किया है। देश में दूसरे स्थान पर पहुंचकर यह पुरस्कार पाना उत्तराखंड राज्य के लिए गौरव की बात है। इस पुरस्कार के मिलने से राज्य की झांकी में प्रतिभाग कर रहे कलाकार बहुत प्रफुल्लित है। इस प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त होने से उत्तराखंड राज्य के कलाकार अब 26 जनवरी के बाद राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास एवं उपराष्ट्रपति, रक्षामंत्री तथा जनजातीय मंत्री के समक्ष भी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। उल्लेखनीय है कि गणतंत्र दिवस परेड में इस वर्ष उत्तराखंड राज्य द्वारा "सांस्कृतिक विरासत एवं साहसिक खेल" की थीम पर झांकी का प्रदर्शन कर्तव्य पथ पर किया जाएगा।

चरित्रवान, ईमानदार प्रत्याशियों का ही करें चयनः त्यागी

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन के महासचिव सुशील त्यागी ने कहा कि चरित्रवान, ईमानदार प्रत्याशियों का चयन कर ही मतदान करें।

आज यहां उत्तराखंड के मतदाताओं के नाम सार्वजनिक बयान जारी करते हुए संयुक्त नागरिक संगठन के महासचिव सुशील त्यागी ने कहा है की स्थानीय निकायों के चयन में भावी प्रत्ययाशियों द्वारा हमको सब्ज बागं दिखाएं गए हैं।राजनीतिक दलों ने भी अपने घोषणा पत्र जारी किए हैं। परंतु यह दुखद है कि किसी ने भी अपनी ईमानदारी, चरित्र, नैतिकता, सच्चाई, विनयशीलता, देशप्रेम, स्वच्छ आचरण, सांप्रदायिक सौहार्द, पारस्परिक एकजुटता, समर्पण, त्याग, बलिदान की व्यक्तिगत विशेषताओं का उल्लेख नहीं किया है या इनका इनमें अभाव है। जो दुखद है। त्यागी का कहना है की आजादी के बाद की पहली पीढ़ियां के लिए यह गंभीर चिंता का विषय है, हमें आवश्यकता है जो प्रत्याशी सार्वजनिक कार्यों में कमीशनखोरी बंद करने, स्थानीय निकायों से भ्रष्टाचार को मिटाने, भूमाफियाओं बिल्डरों के गठजोड़ को खत्म करने, जनशिकायतो पर खुद कार्रवाई करने, वरिष्ठ नागरिकों की कठिनाइयों के समाधान हेतु खुद पहल करने का भी संकल्प ले और नेताजी सुभाषचंद्र बोस, लाल बहादुर शास्त्री, सरदार पटेल, शहीद भगत सिंह के बताएं मार्ग पर चलने का भी संकल्प ले। आशा है सभी मतदाता चरित्रवान, ईमानदार प्रत्याशियों की चयन में उपरोक्त प्राथमिकताओं को सर्वोच्च स्थान देंगे।

अधिकारी अपनी सीमाओं में सीमित ना रहे, व्यापक दृष्टिकोण के साथ काम करेः रतूड़ी

❑ आपदा जोखिम न्यूनीकरण में इन्श्योरेन्स योजना जरूरी

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी ने कहा कि एनजीओं, सिविल सोसाइटी, सामाजिक संस्थाओं एवं निजी विशेषज्ञों के सुझाव को भी माने, सरकारी अधिकारी अपनी सीमाओं में सीमित ना रहे, व्यापक दृष्टिकोण के साथ काम करे।

आज यहां आपदा प्रबन्धन के क्षेत्र में अन्य देशों एवं राज्यों के मॉडल को अपनाने के बजाय उत्तराखण्ड की विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उत्तराखण्ड केन्द्रित आपदा प्रबन्धन मॉडल तैयार करने की हिदायत देते हुए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने आपदा प्रबन्धन विभाग को आपदाओं से निपटने एवं बचाव हेतु उत्तराखण्ड फ्रेमवर्क तैयार करने के दौरान एनजीओं, सिविल सोसाइटी, सामाजिक संस्थाओं एवं निजी विशेषज्ञों के सुझाव भी इसमें शामिल करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सरकारी अधिकारियों को अपनी सीमित सीमाओं में सीमित ना रहते हुए, व्यापक दृष्टिकोण से कार्य करने की नसीहत दी। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी सचिवालय में आज आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर सेन्डई (जापान) फ्रेमवर्क का राज्य में क्रियान्वयन की समीक्षा कर रही थी। आपदा जोखिम न्यूनीकरण में इन्श्योरेन्स योजना की कार्ययोजना बनाने में ढिलाई पर सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने स्पष्ट किया कि आपदा सवेंदनशील राज्य उत्तराखण्ड में लोगों को विशेषकर जरूरतमंदों को बीमा योजना से बड़ी मदद मिल सकती हैं। उन्होंने विभाग को इस विषय पर गम्भीरता से विचार करते हुए प्रभावी पहल करने के निर्देश दिए हैं। आपदा के जोखिम आंकलन हेतु प्रशिक्षित अधिकारियों के अभाव के मुद्दे का गम्भीरता से संज्ञान लेते हुए सीएस श्रीमती राधा रतूड़ी ने आपदा से प्रभावित क्षेत्रों एवं गांवों में जोखिम आंकलन के लिए तत्काल मास्टर ट्रेनर हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश आपदा प्रबन्धन विभाग को दिए हैं। उन्होंने राज्य में 65000 से अधिक महिला स्वंय सहायता समूहों जिनसे 10 लाख से अधिक महिलाएं जुड़ी हैं, को भी आपदा प्रबन्धन का प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इन प्रशिक्षित महिलाओं को आपदा सखी को नाम देते हुए आपदाओं के दौरान ग्राम एवं तहसील स्तर पर इनकी सहायता राहत एवं बचाव कार्यों में लेने के निर्देश दिए हैं। आपदा संवेदी राज्य में विद्यालयी स्तर से ही हर बच्चे को आपदा प्रबन्धन की सामान्य जानकारी को अति आवश्यक बताते हुए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने प्राथमिक विद्यालय के स्तर से विद्यार्थियों के पाठयक्रम में आपदा प्रबन्धन को शामिल करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को सैनिक कल्याण विभाग से सभी जिलों में रह रहे पूर्व सैनिकों की जानकारी एवं आंकड़े लेते हुए उन्हें आपदा प्रबन्धन का प्रशिक्षण देते हुए उनकी सहायता आपदाओं के दौरान स्थानीय स्तर पर लेने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि उत्तराखण्ड ऐसा पहला राज्य है जहां पर राज्य, जिला, तहसील एवं पंयायत स्तर पर आईआरएस प्रणाली सक्रिय होने जा रही है। उन्होंने इसके लिए आपदा प्रबन्धन विभाग को बधाई दी है। बैठक में सचिव विनोद कुमार सुमन सहित आपदा, गृह, सिंचाई, वन, पेयजल, शिक्षा, लोक निर्माण विभाग एवं अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

लाखों की चरस सहित तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 1 लाख 37 हजार रूपये कीमत की चरस, इलैक्ट्रानिक तराजू व तस्करी में प्रयुक्त कार बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम थाना दान्या पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की बड़ी खेप सहित आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को चापड़ बैण्ड से करीब 200मी. ग्राम-अमोग को जाने वाले सीसी मार्ग मोड़ के पास एक संदिग्ध आल्टो कार आती हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो कार चालक कार छोड़कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 689 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम लीलाधर भट्ट पुत्र मथुरा दत्त भट्ट निवासी तोक औखलगाड़ा ग्राम सभा नायलधुरा दन्या,अल्मोड़ा हाल निवासी ग्राम हाटा इंद्रानगर प्रथम कोतवाली लालकुआं नैनीताल बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

लिव इन रिलेशन में रह रही महिला ने लगाई फांसी, मौत

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। चार बच्चों के पिता के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह रही एक महिला ने देर रात फांसी लगाकर जान दे दी। मृतका खुद शादीशुदा और दो बच्चों की मां है। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

मामला रूड़की क्षेत्रांर्तगत मकतुलपुरी का है। यहां एक ठेकेदार के साथ लिव इन रिलेशन में रह रही महिला ने देर रात फांसी लगाकर जान दे दी। महिला पूर्व से शादीशुदा है और दो बच्चो की मां है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार रुड़की कोतवाली सिविललाइंस के खंजरपुर निवासी एक युवक (46) खनन सामग्री सप्लाई करने का ठेकेदार है। वह चार बच्चो का बाप है। जिसकी जगजीतपुर कनखल में बुआ रहती है। उसकी बुआ के यहां कीर्ति (24) अपने परिवार के साथ किराए पर रहती थी। उसकी शादी हरियाणा के रोहतक निवासी युवक से 6 साल पहले हुई थी। उसके दो छोटे बच्चे है। काफी समय से वह पति से अलग मायके में जगजीतपुर रह रही थी। करीब आठ माह पहले कीर्ति की ठेकेदार से मुलाकात हुई। इनके बीच प्रेम सम्बन्ध बन गए। इसके बाद ठेकेदार उसके साथ रूड़कीं के मकतुलपुरी में किराये का कमरा लेकर रहने लगा था।

बीती रात ठेकेदार उसके पास से अपने खंजरपुर स्थित घर पर आ गया। आज सुबह जब ठेकेदार कमरे पर पहुचा तो उसे कीर्ति का शव कमरे में पंखे से लटका मिला। शव देख हड़कम्प मच गया। शोर मचाने पर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंचे। सूचना मिलने पर गंगनहर कोतवाली पुलिस में मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।